लापरवाही | सुविधाओं के बावजूद अव्यवस्था हावी, गर्मी में झुलस रहे पेड़ पौधे

रखरखाव में लापरवाही, उद्यानों की हालत गंभीर

जबलपुर, नवभारत। जबलपुर शहर में वैसे तो कई उद्यान मौजूद है, लेकिन इन दिनों पड़ रही भीषण गर्मी के कारण उद्यानों की स्थिति काफ़ी खराब होती जा रही है। बात करे अगर नेहरू उद्यान, भंवरताल और टैगोर गार्डन की तो यहाँ लगे पेड़ पौधे गर्मी के कारण झुलस रहे हैं। इतना ही नहीं पेड़ पोधों के साथ साथ यहाँ लगे झूलों के सही ढंग से रखरखाव नहीं होने के कारण अब ज़िम्मेदारो के प्रति गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं। वही स्थानीय लोगों का कहना है कि गार्डनों में सुविधाएं होने के बावजूद उनका सही उपयोग और रखरखाव नहीं हो पा रहा। यदि नियमित निगरानी और मेंटेनेंस किया जाए, तो इन गार्डनों की स्थिति बेहतर हो सकती है।

प्रमुख उद्यानों की स्थिति

बात करे अगर नेहरू उद्यान की तो नवभारत द्वारा की गई पड़ताल में सामने आया कि उद्यान में पानी की व्यवस्था तो है, लेकिन लोगों की संख्या के हिसाब से पर्याप्त वाटर कूलर उपलब्ध नहीं है। यहां टिकट खरीदने की व्यवस्था नहीं है, जिसके चलते बाहरी लोग और असामाजिक तत्व बड़ी संख्या में आते हैं और गंदगी फैलाते हैं और तो और यहाँ बाथरूम मौजूद होने के बावजूद उनकी हालत इतनी खराब है कि उनका उपयोग करना मुश्किल हो जाता है। वही भंवरताल गार्डन में बच्चों के लिए झूलों की संख्या कम है, जिससे भीड़ के समय बच्चों को इंतजार करना पड़ता है। वॉशरूम की सुविधा उपलब्ध है, लेकिन लगातार उपयोग और साफ-सफाई की कमी के कारण वहां गंदगी बनी रहती है। हालांकि, यहां पीने के पानी की व्यवस्था है, जो कुछ हद तक राहत देती है। अंत में टैगोर उद्यान की पड़ताल करने पर पता चला कि यहाँ पानी और वॉशरूम (पुरुष एवं महिला दोनों के लिए) की सुविधा तो है, लेकिन वॉशरूम में रखरखाव की कमी साफ नजर आती है। इसके अलावा, रात में अंधेरा होता है क्योंकि यहाँ रोशनी की व्यवस्था नहीं है और भीड़ - भाड़ के समय सुरक्षा गार्डों की कमी देखने को मिलती है, जिससे बच्चे एक ही झूले पर 5-6 लोग बैठ जाते हैं और झूले टूटने का खतरा बढ़ जाता है।

इनका कहना है

मैं नेहरू उद्यान में कार्यरत हूं, हमारे लिए वॉशरूम की व्यवस्था है लेकिन उपयोग करने लायक नहीं है और पीने के पानी की व्यवस्था तो है।

जानकी देवी

गार्डन में झूलो की कमी है, जिस वजह से बच्चों के साथ आने वाले परिजनों के लिए मुश्किल होती है। वॉशरूम की सुविधा है लेकिन गंदगी बनी रहती है।

मनोज बारी

संविदा कर्मचारी वर्गीकरण और परिणामी लाभों के हकदार

डेढ़ दशक से कार्यरत कर्मियों के मामले में हाईकोर्ट का राहतकारी आदेश

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने राज्य में 16 वर्षों से अधिक समय से कार्यरत कई संविदा कर्मचारियों को राहत देते हुए कहा कि अनुबंध, आउटसोर्स और अंशकालिक आधार पर लगे कर्मचारी वर्गीकरण और परिणामी लाभों के हकदार हैं यदि वे लगातार एक दशक से अधिक समय से कार्यरत हैं। जस्टिस विशाल धगट की एकलपीठ ने श्रमिकों द्वारा दायर याचिकाओं को यह कहते हुए स्वीकार कर लिया कि ऐसे कर्मचारी आर्थिक न्याय और सभ्य जीवन स्तर के हकदार हैं। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ताओं को नीति के तहत वर्गीकरण का लाभ दिया जाना चाहिए। उनके पदों के

अनुरूप न्यूनतम वेतन का भुगतान किया जाना चाहिए।

जबलपुर सहित प्रदेश के अन्य स्थानों में विभिन्न विभागों में कार्यरत संविदा कर्मचारियों की ओर से याचिकाएं दायर की गई । तर्क दिया गया कि याचिकाकर्ताओं को 7 जुलाई 2009 के एक आदेश द्वारा अनुबंध के आधार पर नियुक्त किया गया था। परिणाम स्वरूप उनके नियुक्ति आदेश 30 जुलाई 2009 को जारी किए गए थे। इसके बादए याचिकाकर्ताओं की सेवाएं उक्त विभाग द्वारा जारी रखी गईं और वे अभी भी वहां काम कर रहे हैं। न्यायालय को बताया गया कि कि राज्य सरकार ने कर्मचारियों को स्थायी के रूप में वर्गीकृत करने और उन्हें उनके पदों के लिए स्वीकार्य न्यूनतम वेतनमान देने की नीति बनाई है। दावा किया कि उक्त लाभ उन्हें भी दिया जा सकता है। नियमितीकरण में भेदभाव है संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 के प्रावधानों का उल्लंघन है। सुनवाई के बाद न्यायालय ने माना कि याचिकाकर्ताओं को नीति के तहत वर्गीकरण का लाभ दिया जाना चाहिए । उनके पदों के अनुरूप न्यूनतम वेतन का भुगतान किया जाना चाहिए। कोर्ट ने याचिकाओं को स्वीकार कर लिया और अधिकारियों को 2016 की नीति के तहत याचिकाकर्ताओं को वर्गीकृत करने और सभी परिणामी लाभ प्रदान करने का निर्देश दिया।

किसानों को नरवाई नहीं जलाने के निर्देश,उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

नरवाई प्रबंधन को लेकर पिंडरई में समीक्षा बैठक

नवभारत, जबलपुर। ग्राम पंचायत पिंडरई एवं हिनोतिया में कृषि अभियांत्रिकी विभाग द्वारा फसल कटाई कार्य का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पाया गया कि दोनों ग्राम पंचायतों में लगभग 80 प्रतिशत कृषि क्षेत्र में हार्वेस्टर के माध्यम से कटाई कार्य पूर्ण हो चुका है। कटाई के बाद शेष बची नरवाई के समुचित प्रबंधन को लेकर ग्राम पंचायत भवन पिंडरई में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में किसानों को नरवाई न जलाने के सख्त निर्देश दिए गए। ग्राम स्तरीय निगरानी समिति को निर्देशित किया

गया कि नरवाई जलाने की घटना होने पर तत्काल पंचनामा तैयार कर संबंधित के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही ग्राम कोटवार को मुनादी के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक करने के निर्देश दिए गए। जन-जागरूकता के तहत उपस्थित किसानों एवं ग्रामीणों को नरवाई प्रबंधन से संबंधित प्रचार सामग्री एवं लीफलेट भी वितरित किए गए। बैठक में पिंडरई एवं हिनोतिया ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव, पटवारी, कृषि अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

4 घंटे में तीन जगहों पर निकले 3 सांप

जबलपुर । तापमान की उमस बढ़ने पर सरीसृप घबराहट में निकल कर लोगों के घरों में घुसने लगे। बुधवार को चार घंटे में तीन जगहों पर सांप निकले ।इस संबंध सर्प विशेषज्ञ गजेन्द्र दुबे ने बताया कि सुबह साढ़े सात बजे तिलवारा में सब्जी बेचने वाले श्याम सुंदर के घर में चार फीट सांप घुस गया। इसी तरह दोपहर दो बजे रतन नगर निवासी प्रेम नारायण ठाकुर के घर में रखे फ्रिज के नीचे चार फीट लंबा सांप देखकर वहां अफरातफरी मच गई सूचना पर पहुंच कर रैस्क्यू करते हुए सांप को पकड़कर जंगल में छोड़ दिया। भेड़ाघाट थानांतर्गत भड़पुरा रोड स्थित ओशो आश्रम में सांयकाल पांच बजे एक गमले में सांप बैठा देखकर स्वामी प्रेम पारस ने श्री दुबे को सूचना दी जिन्होंने मौके पर पहुंचकर रैस्क्यू शुरू किया ।

12 भिक्षुकों को वापस भेजा गया उनके घर, गौरीघाट में भिक्षुक मुक्त अभियान की बड़ी सफलता

बुजुर्गों को मिल रहा नगर निगम का सहारा

नवभारत,जबलपुर। मां नर्मदा तट गौरीघाट को पवित्र और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे 'भिक्षुक मुक्त अभियान' के तहत बुधवार को बड़ी कार्रवाई की गई। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर नगर निगम और समाज कल्याण विभाग के संयुक्त प्रयासों से 12 ऐसे भिक्षुकों को उनके गृह निवास भेजा गया, जो अन्य शहरों या स्थानों से आकर यहाँ रह रहे थे। उपायुक्त अंकिता जैन ने बताया कि अभियान के दौरान मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए निराश्रित

बुजुर्गों के पुनर्वास पर विशेष ध्यान दिया गया, 75 वर्षीय एक वृद्ध महिला, जो बोल पाने में असमर्थ थीं, उन्हें सुरक्षित वृद्धाश्रम पहुँचाया गया। दो अन्य वृद्ध एवं विकलांग महिलाओं को भी वृद्धाश्रम भेजने की पूर्ण तैयारी कर ली गई है, ताकि उन्हें बेहतर चिकित्सा और देखभाल मिल सके। काउंसिलिंग और समझाइश के बाद कई भिक्षुकों ने वापस अपने घर जाने की इच्छा जताई। इनमें मुख्य रूप से गिरानी लाल कोल, शालनी रागनी वंशकार, विष्णु चौबे, दयाशंकर वर्मा, बाबूलाल भील, नाथूलाल प्रजापति, रमा चौधरी आदि नाम शामिल हैं।

आश्रय स्थलों में पुनर्वास

उपायुक्त अंकिता जैन ने ये भी बताया कि जिन भिक्षुकों का कोई सहारा नहीं था या जिन्हें तत्काल सहायता की आवश्यकता थी, उन्हें उचित आश्रय स्थलों में भेजा गया है। उन्होंने बताया कि अनीता सोनी और गुलाब नारायण गुप्ता को शेल्टर होम भेजा गया, आशा बाई को वृद्धाश्रम में स्थानांतरित किया गया है। निगम के इस अभियान का उद्देश्य केवल घाटों से भीड़ कम करना नहीं, बल्कि इन भिक्षुकों को एक गरिमामय जीवन देना और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है।

भारतीय प्रबंध संस्थान सम्बलपुर

द्वारा

नवसर्जनम्-शुचिता-समावेशत्वम् IIM SAMBALPUR

चार वर्षीय स्नातक डिग्री पाठ्यक्रमों में प्रवेश की घोषणा

(दूसरा बैच अगस्त/सितंबर 2026 से प्रारंभ होगा)

डेटा साइन्स एवं एआई में विज्ञान स्नातक(बी.एस.)
Bachelor of Science (B.S.) in Data Science & AI

☑ आईआईटी जेईई मेन 2026 अंक और निजी साक्षात्कार के आधार पर प्रवेश।

अवधि: पूर्णकालिक आवासीय कार्यक्रम, 4 वर्ष (8 सेमेस्टर) की अवधि के साथ, जिसमें सहज प्रवेश-निकास विकल्प उपलब्ध हैं।

पात्रता मानदंड:

(क) अभ्यर्थी कक्षा 12वीं/एचएससी या उसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण की हो या वर्तमान में कक्षा 12वीं/एचएससी या समकक्ष परीक्षा में उपस्थित हो रहा हो, जिसका परिणाम जून 2026 तक अपेक्षित हो।

(ख) सामान्य श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए कक्षा 10वीं/ एसएससी और कक्षा 12वीं/एचएससी या समकक्ष परीक्षाओं में सभी विषयों में न्यूनतम 60% कुल अंक होना आवश्यक है।

(ग) अभ्यर्थी कक्षा 10वीं/ एसएससी और कक्षा 12वीं/ एचएससी या समकक्ष परीक्षाओं में अंग्रेज़ी भाषा और गणित विषय की परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

(घ) अभ्यर्थी के पास जेईई(मेन) 2026 का वैध अंक होना आवश्यक है।

मेरिट सूची की तैयारी:

अंतिम मेरिट सूची जेईई(मेन) 2026 के अंक और व्यक्तिगत साक्षात्कार में प्रदर्शन के आधार पर तैयार की जाएगी।

अधिक जानकारी और आवेदन समय-सारणी के लिए, कृपया www.iimsambalpur.ac.in को देखें या ऊपर दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन करें।

परिसर की मुख्य विशेषताएँ :

- भारतीय प्रबंध संस्थान संबलपुर पहला संस्थान है जिसने डीएसएआई ओर एमपीपी में बीएस. पाठ्यक्रम शुरू किया हैं।
- एनआईआरेएफ मैनेजमेंट रैंकिंग 2025 में 34वां स्थान।
- हाई-स्पीड इंटरनेट के साथ तकनीक-सक्षम स्मार्ट कक्षा।
- ओडिशा में आधुनिक, पर्यावरण-अनुकूल परिसर सहित डिजिटल बुनियादी ढांचा और वातनुकूलित छात्रावास कक्ष सुविधा।
- आर्टिफिशल इन्टेलिजन्स् (एआई)-सक्षम कक्षा में शिक्षण ।

पाठ्यक्रम की मुख्य विशेषताएँ:

1. पाठ्यक्रम नवीनतम उद्योग प्रवृत्तियों और शैक्षणिक अनुसंधान के अग्रिम क्षेत्रों के अनुरूप है।
2. केस अध्ययन-आधारित शिक्षण, जो वास्तविक उद्योग की समस्याओं और व्यावहारिक सीख के माध्यम से सिद्धांत और अभ्यास के बीच संबंध स्थापित करता है।
3. वास्तविक दुनिया का अनुभव लाइव परियोजना, इंटर्नशिप और उद्योग सहयोग के माध्यम से।
4. अंतिम वर्ष का शोध प्रबंध, जो एआई और डेटा-संचालित दृष्टिकोण का उपयोग करके वास्तविक दुनिया की समस्याओं को समाधान करने पर केंद्रित है।
5. उद्योग-केंद्रित मॉड्यूल, जिन्हें अग्रणी तकनीकी कंपनियों और एआई विशेषज्ञों के साथ मिलकर डिज़ाइन किया गया है।
6. एनईपी 2020 के अनुरूप कई निकासी विकल्प: प्रमाणपत्र (पहला वर्ष), डिप्लोमा (दुसरा वर्ष), डिग्री (तीसरा वर्ष), ऑनर्स (चौथा वर्ष)।
7. अंतर-विषयक और कौशल-आधारित शिक्षा का समर्थन करने के लिए कोर्सरा तक एकीकृत पहुंच ।

प्रबंध एवं पब्लिक पॉलिसी में विज्ञान स्नातक (बी.एस.)
Bachelor of Science (B.S.) in Management & Public Policy

☑ प्रवेश आईपीएमएटी 2026 अंक और व्यक्तिगत साक्षात्कार के माध्यम से।

अवधि: पूर्णकालिक आवासीय कार्यक्रम, 4 वर्ष (8 सेमेस्टर) की अवधि के साथ, जिसमें सहज प्रवेश-निकास विकल्प उपलब्ध हैं।

पात्रता मानदंड:

(क) अभ्यर्थी कक्षा 12वीं/एचएससी या उसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण की हो, या वर्तमान में कक्षा 12वीं/एचएससी या समकक्ष परीक्षा में उपस्थित हो रहा, जिसका परिणाम जून 2026 तक अपेक्षित हो।

(ख) सामान्य श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए कक्षा 10वीं/ एसएससी और कक्षा 12वीं/एचएससी या समकक्ष परीक्षाओं में न्यून तम 60% अंक होना आवश्यक है।

(ग) अभ्यर्थी कक्षा 10वीं/एसएससी और कक्षा 12वीं/एचएससी या समकक्ष परीक्षाओं में अंग्रेज़ी भाषा की परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

(घ) अभ्यर्थी के पास आईआईएम इंदौर द्वारा आयोजित इंटिग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट एप्टिट्युड टेस्ट (आईपीएमएटी) परीक्षा 2026 का वैध अंक होना आवश्यक है।

मेरिट सूची की तैयारी:

अंतिम मेरिट सूची आईपीएमएटी 2026 के अंक और व्यक्तिगत साक्षात्कार में प्रदर्शन के आधार पर तैयार की जाएगी।

अधिक जानकारी और आवेदन समय-सारणी के लिए, कृपया www.iimsambalpur.ac.in को देखें या ऊपर दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन करें।

पाठ्यक्रम की मुख्य विशेषताएँ:

1. पाठ्यक्रम में विपणन, अर्थशास्त्र, वित्त, संचालन और विश्लेषण शामिल हैं, साथ ही स्थिरता और नीति में मजबूत आधार प्रदान किया गया है।
2. 170 क्रेडिट का पाठ्यक्रम, जिसमें अंतिम वर्ष में कैपस्टोन परियोजना और शोध कौशल विकास के साथ शोध प्रबंध शामिल है।
3. व्यक्तिगत कौशल विकास, जिसमें कार्यशालाओं के माध्यम से महत्वपूर्ण सोच, अभिकल्प, सिमुलेशन और निजी ब्रांडिंग पर प्रशिक्षण शामिल है।
4. क्षेत्रीय इमर्शन और कॉर्पोरेट, एनजीओ, सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाओं और सरकारी संस्थानों के साथ सहभागिता के माध्यम से वास्तविक दुनिया का अनुभव।
5. एनईपी 2020 के अनुरूप कई निकासी विकल्प: प्रमाणपत्र (पहला वर्ष), डिप्लोमा (दुसरा वर्ष), डिग्री (तीसरा वर्ष), ऑनर्स (चौथा वर्ष)।
6. अंतर-विषयक और कौशल-आधारित शिक्षा का समर्थन करने के लिए कोर्सरा तक एकीकृत पहुंच ।

अतिरिक्त सूचना:

- आयु सीमा - प्रवेश के लिए अधिकतम आयु 31 जुलाई, 2026 तक 20 वर्ष है।
- ध्यान दें - अंक, आयु में छूट और आरक्षित वर्ग के लिए सीट आरक्षण भारत सरकार के नियमों के अनुसार होगा।

महत्वपूर्ण तिथि:

- आवेदन प्रारंभ : दिनांक 15 अप्रैल, 2026
- आवेदन की अंतिम तिथि : दिनांक 31 मई, 2026
- व्यक्तिगत साक्षातकार : दिनांक 10 जून - 30 जून, 2026 (संभावित)
- परिणामों की घोषणा/ऑफर जारी : जूलाई, 2026 (संभावित)
- कार्यक्रम का प्रारंभ : अगस्त, 2026 (संभावित)

भारतीय प्रबंध संस्थान संबलपुर, बसंतपुर, संबलपुर (ओड़िशा)

संपर्क संख्या- 9078546024 / 7205726111, ईमेल आईडी- bs.admission@iimsambalpur.ac.in